National Journal of Research and Innovative Practices (NJRIP)
Vol-6, Issue-6, 2021; ISSN No. : 2456-1355; Web: www.edusanchar.com

शोध-पत्र

सहरिया जनजाति की औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरुकता

शोधकर्ता

रामबाबू जाँगिड़

मार्गदर्शिका

डॉ. सावित्री सिंगवाल

शोध पर्यवेक्षिका

केरियर पॉइन्ट विविद्यालय, कोटा

जनजाति शब्द की उत्पत्ति तथा अर्थ के सम्बन्ध में विभिन्न दृष्टिकोण देखने को मिलते हैं। चूँकि जनजाति प्रायः शहरी सभ्यता से दूर घने जंगलों में, पर्वतों, घाटियों एवं पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करती है, अतः सामान्यतः लोग उन्हें आदिवासी समझते हैं जो 'पिछड़े वर्ग' और 'असभ्य मानव समूह' के रूप में एक सामान्य क्षेत्र में निवास करते हुए सामान्य संस्कृति का अनुसरण करते हैं। मुख्यतः भारतीय जनजातियों के सम्बन्ध में मानवशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों का मत है कि ये नीग्रीटो, प्रोटो आस्ट्रेलियड तथा मंगोलियन प्रजाति के लोग है जो भारतीय परिवेश में सर्वप्रथम विराजित हुए। इसी प्रकार समाजशास्त्रियों एवं मानवशास्त्रियों के दृष्टिकोण से रिजले, लेके, ग्रिगसन, सोबरी, मार्टिन तथा ए.बी. ठक्कर ने इन्हें आदिवासी नाम से पुकारा है। पी.एस. धुरिये ने जनजाति समुदाय को तथा कथित आदिवासी अथवा 'पिछड़े हुए हिन्दु' का नाम दिया है।

यह छोटी–छोटी ढाणियों में रहते हैं। वर्तमान में कुछ लोग तो अपने बच्चों को विद्यालय भेजने लगे है, पर इनकी संख्या नगण्य है। इसका कारण है वर्तमान में बढ़ती शिक्षा का प्रभाव व शहरी जीवन से जुड़ाव है। शिक्षा के प्रति धीरे–धीरे इस जनजाति की भी जागरूकता बढ़ी है, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण शिक्षा से वंचित है।

शोध प्रश्न

(i) क्या सहरिया जनजाति औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूक है?

(ii) क्या सहरिया जनजाति के पुरूष औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूक है?

(iii) क्या सहरिया जनजाति महिलाऐं औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूक है?

(iv) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक विद्यालय सम्बन्धि सामान्य जानकारी के प्रति जागरूक है?

(v) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं शारीरिक विकास के प्रति जागरूक है?

(vi) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं मानसिक विकास के प्रति जागरूक है?

(vii) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास के प्रति जागरूक है?

(viii) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास के प्रति जागरूक है?

(ix) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं नैतिक विकास के प्रति जागरूक है?

(x) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा एवं व्यवसायिक विकास के प्रति जागरूक है?

(xi) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा की योजनाओं के प्रति जागरूक है?

(xii) क्या सहरिया जनजाति के अभिभावक औपचारिक शिक्षा के भौतिक एवं मानवीय संसाधनों के प्रति जागरूकता रखते है?

शोध उद्देश्य

(i) सहरिया जनजाति के अभिभावको व विद्यार्थियों की औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

परिसीमन व न्यादर्श

(i) बाराँ जिले की किशनगंज व शाहबाद तहसील में निवास करने वाली जनजाति तक सीमित रखा गया।

(ii) अभिभावक व 6–18 वर्ष तक के साक्षर व असाक्षर बालक–बालिकाओं तक सीमित है।

न्यादर्श–

कुल जनसंख्या– 370

पुरूष–185 महिलाऐं–185 बालक–185 बालिकाऐं–185

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में **'सर्वेक्षण'** विधि का प्रयोग किया गया है।

उपकरण

(i) जागरूकता हेतु साक्षात्कार

(ii) औपचारिक शिक्षा सम्बन्धी समस्याओं के लिए साक्षात्कार

सांख्यिकीय प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में औसत, प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

निष्कर्ष

सहरिया जनजाति की औपचारिक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित जागरूकता से प्राप्त निष्कर्ष

सहरिया जनजाति औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूक है। औपचारिक जागरूकता का स्तर उच्च पाया गया है। पुरूषों की तुलना में महिलाऐं कम

जागरूक पाई गई है। जिसे हम निम्न चार्ट से समझ सकते है। पुरूष महिला जागरूकता का प्रतिशत निम्न प्रकार है–

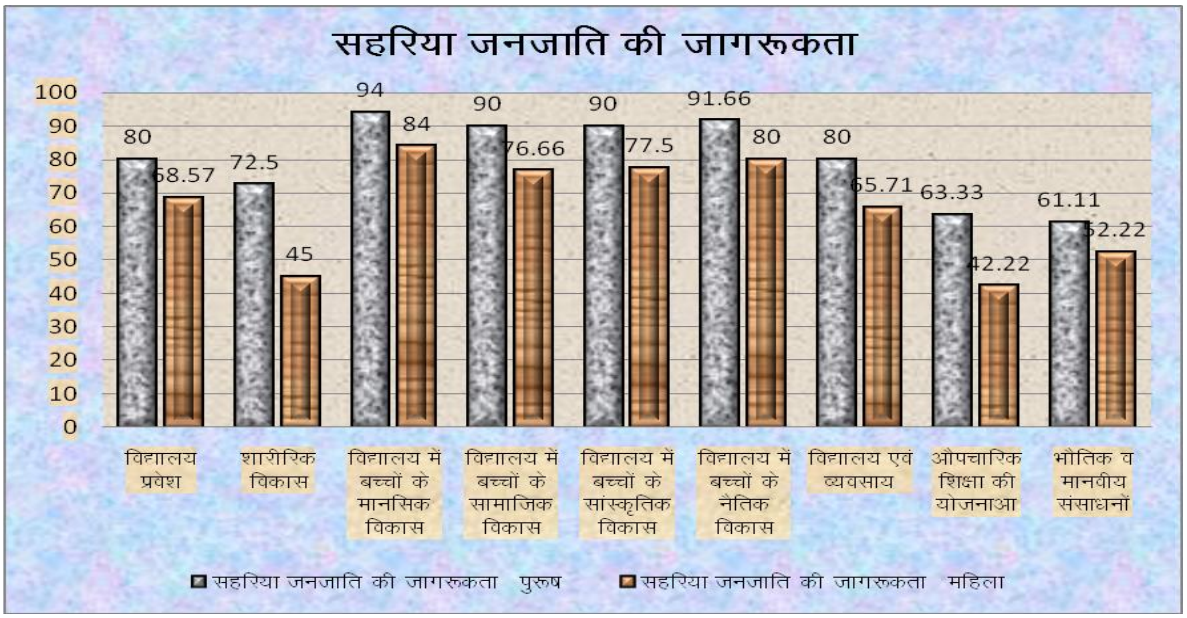

वर्तमान में प्रासंगिकता

''सहरिया जनजाति की औपचारिक शिक्षा क प्रति जागरूकता एवं समस्याओं का अध्ययन'' विषय पर गहन अध्ययन किया गया। सहरिया जनजाति औपचारिक शिक्षा के प्रति जागरूक है। यह जनजाति विद्यालयी शिक्षा से जुड़ना चाहती है। इन्हैं अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाकर शिक्षा से जोड़ा जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

चौबे, ए.पी.; चौबे, अखिलेश (2008). शैक्षिक मनोविज्ञान के मूलाधार. मेरठ : इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।

ढ़ौढ़ियाल, एस., फाटक, ए. (2003). शैक्षिक अनुसंधान विधिशास्त्र. जयपुर : राजसथान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

गैरेट, हेनरी ई. (1972). शिक्षा व मनोविज्ञान में सांख्यिकी. लुधियाना : कल्याणी पब्लिशर्स

गिल, संजय : जनजाति समाज एवं वनीय अन्तःनिर्भरता. उदयपुर : अंकुर प्रकाशन।

http://tad.rajasthan.gov.in

http://trifed.tribal.gov.in

http://census.gov.in

http://ncert.gov.in

http://tribal.mp.gov.in